इतिहास

2011:	➢ कोच एमएलआर वर्कशॉप की आधारशिला 09 फरवरी 2011 को महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेल्वे, श्री एच.सी. जोशी द्वारा रखी गयी ।
2014:	➢ कोच एमएलआर वर्कशॉप का उद्घाटन 31 अक्टूबर 2014 को श्री अरुणेंद्र कुमार, चेयरमैन रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया।
2015:	➢ प्रशासनिक ब्लॉक का उद्घाटन 27 मई 2015 को श्री हेमंत कुमार, एमएम/रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया। ➢ पहले कोच को 27 मई 2015 को श्री हेमंत कुमार, एमएम, रेलवे बोर्ड द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। ➢ पहले सीबीसी कोच एनसी03238 का एमएलआर दिसंबर 2015 में किया गया।
2016:	➢ कोचों पर पॉलीयूरेथेन (पीयू) पेंटिंग मई 2016 में शुरू हुई। ➢ प्रथम एसएलआरडी टाइप कोच एनसी03711 का एमएलआर अगस्त 2016 में पूरा हुआ।
2017:	➢ प्रथम चेयर कार कोच संख्या एनआर 04613 का एमएलआर अक्टूबर 2017 में पूरा हुआ। ➢ 100वें (शताब्दी) कोच को 22.12.17 को श्रीमती/आरबी श्री रविन्द्र गुप्ता द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
2018:	➢ 125वें कोच को दिनांक 17.04.18 को महाप्रबंधक/एनसीआर श्री एम.सी. चौहान की उपस्थिति में एसएसई/बोगी/एमएलआर श्री आर.के. द्विवेदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ➢ प्रथम कोच संख्या 05701 एसएलआरडी का पीओएच 31-07-18 को पूरा हुआ।
2019:	➢ एलएचबी बोगी का एसएस-I शेड्यूल दिसंबर 2019 से शुरू हुआ ।
2020:	➢ कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन अवधि के दौरान, 50 गैर एसी कोचों को आइसोलेशन कोच में परिवर्तित किया गया। ➢ आर.बी.एल. सं. 2016/एम (डब्ल्यू)/645/4 दिनांक 11.02.22 के अनुसार कार्यशाला ने नियमित आधार पर कोच पीओएच कार्य को अपने हाथ में ले लिया क्योंकि कोचों की एमएलआर 01/04/20 से बंद कर दी गई थी, । ➢ पहले एलएचबी कोच (एसएस-II अनुसूची) का पीओएच दिसंबर 20 में पूरा हो गया था और इसे 16.12.20 को श्री राजीव चौधरी, जीएम/एनसीआर द्वारा वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।
2021	➢ कोविड-19 महामारी के दौरान, सीएमएलआर कार्यशाला ने अपना उत्पादन जारी रखा और 2020-21 में कुल 301 कोच बनाकर 288 कोच के अपने लक्ष्य को पार कर लिया। ➢ पहली बार, पुराने कंडम WGACCN कोच (NC 96107) को CMLRW द्वारा सफलतापूर्वक GM निरीक्षण कार में परिवर्तित किया गया। ➢ कोच एमएलआर कार्यशाला में पहले एसी कोच नंबर 101289 ACCN POH को श्री कुंदन कुमार, PCME/NCR द्वारा 15 दिसंबर 2021 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
2022	➢ कोविड-19 महामारी काल और लॉकडाउन के बावजूद, कार्यशाला ने प्रति माह औसतन 37 कोच बनाकर उत्पादन में हुए नुकसान की भरपाई की और वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 420 कोच के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच गई। ➢ प्रथम एसी एलएचबी कोच संख्या एनसी 191917 का पीओएच मार्च 2022 में पूरा हुआ। ➢ एसएस-III के बाद पहला कोच (एलडब्ल्यूएससीएन नंबर एनसी16247/164671) अगस्त 2022 में सीएमएलआर कार्यशाला से तैयार किया गया। ➢ सीएमएलआर कार्यशाला ने अक्टूबर-22 महीने में पहला एलएचबी प्रथम एसी कोच (एनसी 197191) तैयार किया। ➢ डीपीसी कोच एनसी 23009/डीईएमयू को स्व-चालित जीएम निरीक्षण कार में परिवर्तित किया गया। ➢ दिसंबर 22 और जनवरी 23 महीने में, सीएमएलआर कार्यशाला ने 44 कोच/माह का अपना उच्चतम उत्पादन हासिल किया रेलवे बोर्ड द्वारा सीएमएलआर वर्कशॉप को आवंटित लक्ष्य से 19% अधिक।
2023	➢ पहला LWLRRM (NC 201379) SS-II के बाद 18.03.23 को कार्यशाला से निकला। ➢ पहला मिलिट्री लैंगर यान (कोच नं. 17983/M 9034) POH के बाद 10.04.23 को कार्यशाला से निकला। ➢ पहला सेल्फ प्रोपेल्ड इंस्पेक्शन कार NC 190055 (PARAKH) POH के बाद 27.07.23 को कार्यशाला से निकला। ➢ स्व-चालित निरीक्षण कार एनसी 23009 डीपीसी 16.09.23 को पीओएच के बाद कार्यशाला से बाहर आ गई।

2024	➢ सीएमएलआर वर्कशॉप झांसी में जनवरी 2024 में आईओएच का काम शुरू हुआ। ➢ सीएमएलआर वर्कशॉप में आस्था स्पेशल कोच का पीओएच किया गया। ➢ सीएमएलआर वर्कशॉप ने मार्च 2024 में 2000वां कोच (एलएचबी कोच नंबर एनसी 205693 एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू) तैयार किया। सीएमएलआर ने 2014 में अपनी स्थापना के बाद 10 साल से भी कम समय में यह उपलब्धि हासिल की। ➢ सीएमएलआर वर्कशॉप ने जुलाई 2024 में पहला एमएलआर मरम्मत कोच (एलएचबी कोच नंबर 09164/सी एलडब्ल्यूएससीजेडएसी) तैयार किया।